उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004

प्रिलिम्स के लिये:

धर्मनिरपेक्षता, मौलिक अधिकार, शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम- 2009, सर्व शिक्षा अभियान, PM SHRI स्कूल

मेन्स के लिये:

शिक्षा, सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप, नीतियों के डिज़ाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

इलाहाबाद **उच्च न्यायालय (HC)** ने **उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004** को **असंवैधानिक** करार देते हुए रद्द कर दिया है।

उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 क्या है?

- **अधिनियम का अवलोकन:**
  - इस अधिनियम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश राज्य में **मदरसों (इस्लामिक शैक्षणिक संस्थानों)** के कामकाज को विनियमित और नियंत्रित करना है।
    - इसने पूरे उत्तर प्रदेश में मदरसों की स्थापना, मान्यता, पाठ्यक्रम और प्रशासन के लिये एक फ्रेमवर्क प्रदान की।
    - इस अधिनियम के तहत, राज्य में मदरसों की गतिविधियों की देखरेख और पर्यवेक्षण के लिये**उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड** की स्थापना की गई थी।
- **अधिनियम के संबंध में चिंताएँ:**
  - **संवैधानिक उल्लंघन:**
    - इस अधिनियम को **इलाहाबाद HC द्वारा असंवैधानिक माना गया** है, क्योंकि यह **धार्मिक आधार पर पृथक् शिक्षा को बढ़ावा** देता है, जो भारतीय संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत और मौलिक अधिकारों का खंडन करता है।
    - **संविधान के अनुच्छेद 21A द्वारा अनिवार्य 14 वर्ष की आयु तक गुणवत्तापूर्ण अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिये अधिनियम** के प्रावधानों की आलोचना की गई।
    - शिक्षा का अधिकार (Right to Education- RTE) अधिनियम, 2009 से मदरसों को बाहर करने के संबंध में चिंताएँ व्यक्त की गईं, जिससे संभावित रूप से छात्र सार्वभौमिक और गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा से वंचित हो जाएंगे।
  - **सीमित पाठ्यक्रम:**
    - मदरसा पाठ्यक्रम की जाँच करने पर, **न्यायालय ने आधुनिक विषयों पर सीमित ज़ोर** के साथ इस्लामी अध्ययन पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करने वाले पाठ्यक्रम पर ध्यान दिया।
    - छात्रों को **आधुनिक विषयों के साथ** प्रगति के लिये इस्लाम और उसके सिद्धांतों का अध्ययन करना आवश्यक था, जिन्हें अक्सर वैकल्पिक के रूप में शामिल किया जाता था या न्यूनतम रूप से प्रस्तुत किया जाता था।
  - **उच्च शिक्षा मानकों के साथ संघर्ष:**
    - इस अधिनियम को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की **धारा 22** के साथ विरोधाभासी माना गया, जिससे **उच्च शिक्षा मानकों** के साथ इसकी अनुकूलता पर सवाल खड़े हो गए।
- **उच्च न्यायालय का फैसला:**
  - इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों और मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के कारण उत्तर प्रदेश**मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004** को असंवैधानिक घोषित कर दिया।
    - इसने **राज्य सरकार को मदरसा के छात्रों को मान्यता प्राप्त नियमित स्कूलों में समायोजित करने का निर्देश दिया** और इस्लामी अध्ययन पर केंद्रित सीमित पाठ्यक्रम के संबंध में चिंता व्यक्त की।
  - फैसले ने छात्रों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच पर संभावित प्रतिकूल प्रभावों पर प्रकाश डाला और संवैधानिक उल्लंघनों के संबंध में कानूनी तर्क दिये।

भारत में शिक्षा से संबंधित संवैधानिक प्रावधान क्या हैं?

प्रावधान	अनुच्छेद
राज्य **छह वर्ष की आयु पूरी करने** तक **सभी बच्चों को प्रारंभिक देखभाल एवं शिक्षा प्रदान करने का प्रयास** करेगा	अनुच्छेद 45
वर्ष **2002** के **86वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम** द्वारा **संविधान के भाग III में शिक्षा के अधिकार को एक मौलिक अधिकार** के रूप में प्रदान किया और साथ ही **छह से चौदह वर्ष की आयु के बच्चों के लिये शिक्षा को एक मौलिक अधिकार** बना दिया।	अनुच्छेद 21A
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य कमज़ोर वर्गों की शिक्षा तथा आर्थिक हितों को बढ़ावा देना।	अनुच्छेद 46
किसी **बंदोबस्ती अथवा ट्रस्ट के तहत स्थापित एवं राज्य द्वारा** प्रशासित कुछ **शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक शिक्षा में भाग लेने की स्वतंत्रता**।	अनुच्छेद 28
अल्पसंख्यकों की शिक्षा, अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा	अनुच्छेद 29
अल्पसंख्यकों को शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने एवं संचालित करने का अधिकार	अनुच्छेद 30
माता-पिता तथा अभिभावकों को 6 से 14 वर्ष की आयु के अपने बच्चों को शैक्षिक अवसर प्रदान करने होंगे।	अनुच्छेद 51A(k)

शिक्षा से संबंधित पहल क्या हैं?

- **सर्व शिक्षा अभियान**
- राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान
- राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान
- प्रौद्योगिकी संवर्धित शिक्षण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम
- प्रज्ञाता
- मध्याह्न भोजन योजना
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
- पीएम श्री स्कूल

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

प्रश्न. शिक्षा क्षेत्र में सरकारी नीतियों की अभिकल्पना और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का विश्लेषण कीजिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारतीय संविधान के निम्नलिखित में से कौन-से प्रावधान शिक्षा पर प्रभाव डालते है? (2012)

1. राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व
2. ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकाय
3. पंचम अनुसूची
4. षष्ठ अनुसूची
5. सप्तम अनुसूची

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3, 4 और 5
(c) केवल 1, 2 और 5
(d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर- (d)

?????:

प्रश्न. भारत में डिजिटिल पहल ने किस प्रकार से देश की शिक्षा व्यवस्था के संचालन में योगदान किया है? विस्तृत उत्तर दीजिये। (2020)

प्रश्न. जनसंख्या शिक्षा के मुख्य उद्देश्यों की विवेचना करते हुए भारत में इन्हें प्राप्त करने के उपायों पर विस्तृत प्रकाश डालिये। (2021)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/up-board-of-madarsa-education-act,-2004